Ministry of Ayush
Government of India

Ayurveda Day
आयुर्वेद दिवस

नवम आयुर्वेद दिवस २०२४

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

देश का प्रकृति परीक्षण अभियान

।। संकल्प स्वास्थ्य का, आधार आयुर्वेद का ।।

विगत कुछ वर्षों से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री सम्माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आयुर्वेद के प्रचार प्रसार हेतु कई सराहनीय और यशस्वी कदम उठाए गए हैं, जिसके कारण देश-विदेश में आयुर्वेद के प्रति विश्वास बढ़ा है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन द्वारा हाल ही में प्रकाशित किए हुए प्रतिवेदन के अनुसार देश के ग्रामीण क्षेत्रो से ९४.८% तथा शहरी क्षेत्र से ९६% नागरिक आयुष चिकित्सा पद्धति के बारे में जानते हैं। गत एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्र के ४६.३% तथा शहरी क्षेत्र के ५२.९% नागरिकों ने आयुष चिकित्सा पद्धति का उपयोग किया है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने आयुष चिकित्सा पद्धति को अधिक अपनाया है। इसमें आयुर्वेद का योगदान ४०% से ऊपर है। आयुर्वेद के उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रचार-प्रसार माध्यमों से आयुर्वेद को चिकित्सा पद्धति के रूप में अधिकाधिक नागरिकों का रूझान बढ़ना आवश्यक है, इसको ध्यान में रखते हुए आयुर्वेद का प्रचार प्रसार सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी करने हेतु देश के आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सम्माननीय श्री प्रतापराव जाधव जी की अभिनव संकल्पना एवं कुशल मार्गदर्शन में आयुर्वेद क्षेत्र में शोध के साथ ही आयुर्वेद के बारे में, जन जागृति करने हेतु "देश का प्रकृति परीक्षण" यह अभियान पूरे देश में आयोजित किया जाएगा। आयुर्वेद के अनुसार हर व्यक्ति की अपनी विशिष्ट प्रकृति (कोन्स्टीट्यूशन) होती है जो गर्भाधान के समय ही निश्चित हो जाती है। प्रकृति का ज्ञान व्यक्ति के स्वास्थ्य रक्षण एवं चिकित्सा हेतु महत्वपूर्ण होता है।

गत दस वर्षों में भारत सरकार का आयुष चिकित्सा पद्धतियो के प्रति विशेष ध्यान देने से आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, विकास पथ पर बहुत तेजी से अग्रसर हो रही है। स्वतंत्र आयुष मंत्रालय की स्थापना से आयुष चिकित्सा पद्धतियो की विकास यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। जहां २०१८-१९ में आयुष का बजट १६२६ करोड़ था, वह २०२३-२४ में बढ़कर ३६४७ करोड़ हुआ है। देश के आयुष विनिर्माण उद्योगों का २०१४-१५ में बाजार का आकार २१,६९७ करोड़ था जो सात वर्षों में ६ से ७ गुणा बढ़कर २०२० में १,३७,८०० करोड़ हो गया है। कोरोना काल में भी आयुर्वेद के प्रति नागरिकों में जागृति के साथ-साथ आयुर्वेद के प्रति विश्वास बढ़ा है। २०१३-१४ में देश में कुल २६१ आयुर्वेद महाविद्यालय थे

जिनकी संख्या २०२३-२४ में बढ़कर ५४१ हुई है। आयुर्वेद शिक्षा क्षेत्र में नई शिक्षा नीति के अनुरुप आमूलचूल परिवर्तन किया गया, जिसके फलस्वरुप छात्रों में आत्मविश्वास, उत्साह तथा आयुर्वेद के प्रति विश्वास बढ़ा है। इन शैक्षिणिक परिवर्तनों को सुचारु रुप से कार्यान्वित करनें के लिए अध्यापकों का वृहद् स्तर पर प्रशिक्षण अविरत रुप से किया जा रहा है। आयुर्वेद शिक्षा क्षेत्र में उठाए गए इन सकारात्मक प्रयासों के सुपरिणाम भी दृष्टिगोचर होने लगे हैं।

ऐसा देखा गया है कि, आयुर्वेद की शिक्षा पूर्ण करने के बाद कई महिलाएं चिकित्सक के रूप में कार्यरत नहीं होती। उनकी चिकित्सक के रूप में कार्य प्रवणता बढ़े इस हेतु से भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा एक संशोधन परियोजना चला कर कार्य योजना तैयार करने का कार्य भी अंतिम पड़ाव पर है। अनुसंधान क्षेत्र में भी आयुर्वेद की सहभागिता लगातार बढ़ती जा रही है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयुर्वेद संबंधी प्राप्त आंकड़ों में आने वाले वर्षों में बढ़ोतरी हो, यह आयुर्वेद के विकास में महत्वपूर्ण रहेगा।

इसे ध्यान में रखते हुए आयुर्वेद को जन-जन के जीवन में पुन:स्थापित करने के उद्देश्य से **"देश का प्रकृति प्रशिक्षण"** कार्यक्रम का आयोजन आयुष मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा किया जाएगा। जिसमें आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा आयुष मंत्रालय से संबंधित सभी संस्था एवं उपक्रम सहभागी होंगे। देश भर के सभी आयुर्वेद महाविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले स्नातक-स्नातकोत्तर छात्र तथा उन महाविद्यालयों के अध्यापक, आयुर्वेद चिकित्सक तथा आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सक एवं विविध संगठन एवं औषधि निर्माता कंपनियां भी इस अभियान में सहभागी होगी।

आयुर्वेद के प्रति जानकारी तो सामान्य जनमानस को है किन्तु जानकारी से अंगीकार का सफर तय करने के लिए जिज्ञासा जागृत होना बहुत आवश्यक है। आयुर्वेद के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी तो आयुर्वेद के अंगीकार की वृत्ति भी बढ़ेगी और इसे बढ़ाने के लिए "देश का प्रकृति परीक्षण" अभियान बहुत प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। इस अभियान से आयुर्वेद के प्रचार प्रसार के साथ ही पूरे देश के नागरिकों की प्रकृति मैपिंग करके शोध हेतु बहुत बड़ा रिसर्च सैंपल मिलेगा जिससे नीति निर्धारण एवं मूलभूत शोध कार्य करने हेतु भी बड़े साईज का डाटा उपलब्ध होगा। यह अपने-आप में एक अलग तरीके का अनूठा डाटाबेस होगा जिसके आधार पर आई.जी.आई.बी. तथा सी.सी.आर.ए.एस. जैसे महत्वपूर्ण अनुसंधान

संस्थानों द्वारा मौलिक शोध कार्य किया जायेगा। सामान्यतः जन सामान्य में और चिकित्सा क्षेत्र में ऐसी भ्रांति फैलाई जाती है कि आयुर्वेद में शोध कार्य नहीं होता है किन्तु इस अभियान के माध्यम से शोध क्षेत्र का सबसे बड़ा रिसर्च सैंपल साइज प्राप्त होगा जिससे यह भ्रांति दूर करने में भी मदद मिलेगी।

इस अभियान के माध्यम से जो जन जागृति होगी उसके फलस्वरुप आयुर्वेदीय अर्थव्यवस्था का विकास तेजी से होगा। देशभर में चिकित्सा सेवा दे रहे आयुर्वेद चिकित्सक, औषधि निर्माता, औषधि विक्रेता और औषधि निर्माण के लिए कच्चा माल बेचने वाले देश के किसान इन सभी का हित आयुर्वेद की अर्थव्यवस्था के विकास में निहित है। देश को पांच ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का प्रधानमंत्री जी का स्वप्न साकार करने के लिए आयुर्वेदीय अर्थव्यवस्था का विकास कर हम भी इस स्वप्न पूर्ति के लिए अपना यशस्वी योगदान अधिक प्रभावी तरीके से दे पायेंगे।

यह अभियान चलाते समय गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के माध्यम से कुछ विश्व कीर्तिमान भी स्थापित करने का संकल्प आयोजन समिति ने लिया है। कुल पांच विश्व कीर्तिमान स्थापित करने की दृष्टि से आयोजन समिति प्रयासरत है। इन कीर्तिमानों में एक कीर्तिमान फर्स्ट इन लाइन है, जो पूरा होने पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स अपने संसाधनों से इन इन कीर्तिमानों का प्रचार-प्रसार विश्व के १८० देशों में करेगा, जिसके कारण विश्व में भी आयुर्वेद के प्रति जन जागृति बढ़ेगी। निम्न पांच विश्व कीर्तिमान स्थापित करने का संकल्प आयोजन समिति ने लिया है:-

1. Most pledges received for a health campaign in one month.

2. Most pledges received for a health campaign in one week.

3. Most pledges received for a health campaign in 24 hours.

4. Largest online photo album of people displaying the digital certificate/largest online photo album of people wearing pin badges.

5. Largest online video album of people saying the same sentence.

इस अभियान का प्रारंभ देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रकृति परीक्षण से प्रारंभ किया जाना चाहिए ऐसी आयोजन समिति की आकांक्षा है। तथा इस

अभियान के समापन समारोह का आयोजन करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र ग्रहण कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हो, ऐसी भी आयोजन समिति की आकांक्षा है।

इस अभियान को देशभर में अधिक से अधिक व्यापक बनाने हेतु देश के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले और जिनकी सोशल मीडिया पर बड़ी फैन-फालोईंग है, ऐसे व्यक्तियों का भी प्रकृति परीक्षण करके उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से "मैंने अपना प्रकृति परीक्षण करवाया" इसकी जानकारी देने वाला वीडियो, फोटो शेयर करने के लिए आग्रह करना यह भी इस अभियान के अंतर्गत नियोजित किया जायेगा, उनके द्वारा सोशल मीडिया पर प्रकृति परीक्षण के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने के कारण उनके प्रशंसक भी प्रकृति परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित होंगे जिससे यह अभियान और व्यापक स्वरूप ले सकेगा। निम्न देश में देश के गणमान्य व्यक्तियों के सोशल मीडिया फोलोअर्स बहुत अधिक संख्या में हैं, ऐसे गणमान्य व्यक्तियों की सूची निम्न अनुसार है। इसे और विस्तृत तथा बृहद् बनाकर इसमें शीर्ष १०० व्यक्तियों की सूची बनाई जायेगी, जिसमें देश के महामहिम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केन्द्रीय मंत्री परिषद्, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री, सांसद, विधायक तथा सरकारी अफसर शामिल किये जायेंगे। इसके साथ ही देश के प्रसिद्ध अभिनेता, अभिनेत्री, गायक, संगीतकार, खिलाड़ी, सोशन मीडिया इन्फलुऐंर्सस, उत्योजक, यूटयूबर्स, ब्लोगर्स ऐसे सभी क्षेत्र के व्यक्तियों का प्रकृति परीक्षण किया जायेगा और उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल से इसे प्रचारित प्रसारित करने के लिए अनुरोध भी किया जायेगा जिससे यह अभियान और व्यापक स्वरूप ग्रहण कर सकेगा।

ट्विटर पर सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले शीर्ष १० भारतीय व्यक्ति:

१. नरेंद्र मोदी - १०१,४९७,१५८

२. विराट कोहली - ६४,८२८,३७०

३. अमिताभ बच्चन - ४८,९५७,४५८

४. अक्षय कुमार - ४६,९०१,७५१

५. सलमान खान - ४५,६९५,०७५

६. शाहरुख खान - ४४,१६५,६४९

७. सचिन तेंदुलकर - ४०,३६९,३५५

८. अमित शाह - ३५,४८४,०४१

९. ऋतिक रोशन - ३२,३१९,७००

१०. योगी आदित्यनाथ - ३०,०५०,००१

फेसबुक पर सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले शीर्ष ५ भारतीय:

१. नरेंद्र मोदी - ४५ मिलियन

२. शाहरुख खान - ३८ मिलियन

३. सलमान खान - ३६ मिलियन

४. अमिताभ बच्चन - ३५ मिलियन

५. दीपिका पादुकोण - ३४ मिलियन

इंस्टाग्राम पर सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले शीर्ष ५ भारतीय व्यक्ति:

१. विराट कोहली - २६८ मिलियन

२. प्रियंका चोपड़ा जोनास - ९१.१ मिलियन

३. श्रद्धा कपूर - ८९.३ मिलियन

४. नरेंद्र मोदी - ८८.९ मिलियन

५. आलिया भट्ट - ८४.४ मिलियन

अभियान की कार्ययोजना:

इस अभियान को चलाने हेतु देश के सभी आयुर्वेद महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाले स्नातक छात्र जिनकी संख्या लगभग १,३५,००० है तथा स्नातकोत्तर शिक्षा ग्रहण करने वाले लगभग २०,००० छात्र, साथ ही इन महाविद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन कराने वाले १८,००० अध्यापक और देश में चिकित्सक के रूप में सेवा प्रदान करने वाले लगभग

३,००,००० से अधिक चिकित्सक ऐसे कुल मिलाकर लगभग ४,७३,००० लोग इस प्रकृति परीक्षण में स्वयंसेवक के रूप में प्रकृति परीक्षण का कार्य सम्पादित करेंगे, ऐसा अनुमानित है। जिनके माध्यम से एक माह में लगभग एक करोड़ से अधिक नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया जा सकेगा।

यह प्रकृति परीक्षण करने हेतु एक मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जा रहा है, जिसे एंड्रॉयड और आईफोन इन दोनों मोबाइल में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस एप्लीकेशन को इंस्टॉल करके प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक सामान्य नागरिकों का प्रकृति परीक्षण करेंगे।

यह संशोधन परियोजना गुरु रविदास आयुर्वेद विश्वविद्यालय, होशियारपुर, पंजाब की एथिकल कमेटी द्वारा मान्यता प्राप्त है। एथिकल कमेटी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रश्नावली के आधार पर ही मोबाईल एप्लीकेशन बनाया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ होते ही इस एप्लीकेशन के माध्यम से देश भर के प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक, प्रकृति परीक्षण का कार्य प्रारंभ करेंगे। यह एप्लीकेशन निम्न भाषाओं में उपलब्ध होगा:-

अंग्रेजी	मलयालम	उड़िया
हिंदी	कन्नड़	बांग्ला
तमिल	मराठी	राजस्थानी
तेलगु	गुजराती	पंजाबी
असमी		

प्रकृति परीक्षण का कार्य सुचारु रूप से हो इसके लिए एप्लीकेशन के उपयोग के बारे में प्रशिक्षण देने वाला वीडियो बनाया जाएगा और इस एप्लीकेशन के उपयोग और इस अभियान की कार्य पद्धति के बारे में जगह-जगह प्रशिक्षण दिया जायेगा। कुछ प्रशिक्षण ऑनलाइन तरीके से भी आयोजित किए जाएंगे जिससे प्रकृति परीक्षण अभियान सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

इस अभियान में प्रकृति परीक्षण करने हेतु प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक केवल चिकित्सालयों में ही नहीं अपितु जगह-जगह जाकर आम नागरिकों से संपर्क करके उनका प्रकृति परीक्षण करेंगे, और उन्हें प्रकृति परीक्षण का महत्व स्वास्थ्य रक्षण के हेतु कितना है यह भी संक्षेप में समझाएंगे।

जिन नागरिकों का प्रकृति परीक्षण करना है उन्हें अपने मोबाइल में यह एप्लीकेशन इंस्टॉल करना होगा और आवश्यक अनुमति देने के पश्चात विश्व कीर्तिमान स्थापित करने हेतु प्रतिज्ञाबद्ध होना होगा। यह प्रतिज्ञा एप्लीकेशन के माध्यम से ही ऑनलाइन ली जाएगी।

प्रतिज्ञा निम्न प्रकार से होगी:-

"मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूं कि, आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुरूप मैं दिनचर्या, ऋतुचर्या का पालन करते हुए सदैव स्वस्थ रहने का प्रयास करूंगा/करूंगी। दुर्भाग्यवश यदि कोई बीमारी मुझे हो जाए तो अपनी चिकित्सा हेतु चिकित्सा *पद्धति के रूप में आयुर्वेद को वरीयता दूंगा/दूंगी।"*

प्रतिज्ञा लेने के पश्चात उस नागरिक को जो क्यू आर कोड मोबाइल एप्लीकेशन में प्राप्त होगा उसे स्कैन करके प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक अपने ही मोबाइल से उसकी प्रकृति परीक्षण का कार्य पूर्ण करेगा। यह कार्य पूर्ण होने के पश्चात वह उस नागरिक का एक वाक्य का वीडियो लेगा जिसमें वह नागरिक "मैंने किया है संकल्प स्वास्थ्य का, जिसका है आधार आयुर्वेद का!" यह वाक्य बोलेगा, यह वीडियो सबमिट करने के पश्चात उसे नागरिक को अपना डिजिटल प्रकृति कार्ड उसके मोबाईल पर ही प्राप्त होगा, वह कार्ड मोबाइल पर दिखाते वक्त प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक नागरिक का फोटो लेगा और वह भी सबमिट करेगा, इस प्रकार प्रकृति परीक्षण का कार्य पूरा होगा।

इसके बाद वह प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अगले व्यक्ति का प्रकृति परीक्षण करेगा।

जिन नागरिकों का प्रकृति परीक्षण इस एप्लीकेशन के माध्यम से हुआ है, उन सभी को एप्लीकेशन के माध्यम से ही नोटिफिकेशन के द्वारा आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार अपनी प्रकृति के अनुरूप स्वस्थ रहने हेतु दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी समय-समय पर भेजी जायेगी जिससे वे अपने नित्य जीवन में आहार-विहार में परिवर्तन कर स्वस्थ रहने हेतु प्रयास कर सकेंगे। इससे उन्हें आयुर्वेद से जोड़ते हुए सकारात्मक स्वास्थ्य की ओर ले जाया जायेगा।

इस एप्लीकेशन के माध्यम से उन्हें अपना डिजिटल प्रकृति कार्ड भी प्राप्त होगा। जिससे भविष्य में चिकित्सा हेतु किसी भी आयुर्वेद चिकित्सक के पास जाने पर उन्हें अपना पुन: प्रकृति परीक्षण करवाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

आयोजन समिति:

इस अभियान का आयोजन तथा संचालन सुचारु रूप से हो इस दृष्टि से माननीय आयुष मंत्री जी के अध्यक्षता में आयोजन समिति गठित की गई है। आयोजन समिति इस अभियान का पूर्ण नियोजन एवं संचालन करेगी। इसके अलावा कार्य को पूरा करने हेतु अन्य समितियां गठित की जाएगी।

आयोजन समिति के सचिव: आयोजन समिति के सचिव माननीय आयुष मंत्री जी के मार्गदर्शन में इस अभियान को सफल करने हेतु आवश्यकतानुसार पत्राचार करेंगे तथा विभिन्न बैठकों का आयोजन व प्रवास करेंगे। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग से अभियान के क्रियान्वयन हेतु समन्वयक का कार्य करेंगे साथ ही इस अभियान के बारे में माननीय आयुष मंत्री जी को समय-समय पर अवगत करायेंगे।

सलाहकार समिति:

इस समिति में देश भर के आयुर्वेद क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, गणमान्य वैद्य, आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्य, अध्यापक तथा प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि, आयुष मंत्रालय के अधीन विभिन्न संस्था एवं निकायों के प्रतिनिधि सम्मिलित किये जाएंगे। अभियान को अधिक व्यापक बनाने हेतु अपनी सलाह आयोजन समिति को देंगे और इस अभियान को सफल बनाने हेतु अपने-अपने स्तर पर प्रयास करेंगे।

समन्वय समिति:

यह समिति अभियान सफलतापूर्वक पूर्ण हो इस दृष्टि से कार्यक्रम का लगातार संयोजन एवं समन्वय करेगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी प्रकृति परीक्षण स्वंयसेवकों का उचित तरीके से प्रशिक्षण हो इसका ध्यान यह समिति रखेगी। विशेष रूप से संख्यात्मक लक्ष्य पूर्ति हेतु महाविद्यालय तथा चिकित्सकों से समन्वय करके लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करेगी। इस अभियान हेतु निर्मित एप्लीकेशन पर डैशबोर्ड दिया जाएगा जिस पर अभियान में कितने व्यक्तियों का प्रकृति परीक्षण हुआ है, यह रियल टाइम बेसिस पर पता चलता रहेगा। इसकी निगरानी करते हुए संख्यात्मक लक्ष्य पूर्ण हो तथा अभियान के अन्य आवश्यक पहलुओं पर ध्यान देते हुए अभियान सुचारू रूप से चले यह समिति सुनिश्चित करेगी।

अभियान के समन्वयक: आयोग की ओर से इस अभियान के समन्वयक आवश्यकतानुसार पत्राचार करेंगे। इस अभियान की सफलता के लिये समय-समय पर आवश्यकतानुसार विभिन्न बैठकों का आयोजन करेंगे तथा प्रवास करेंगे। समन्वयक द्वारा इस कार्य के लिए जिन संस्थानों, चिकित्सकों को निर्देशित किया जायेगा, वह इस अभियान को निश्चित समय सीमा में पूर्ण करेंगे।

तकनीकी समिति:

यह समिति अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु एप्लीकेशन का सुचारू संचालन करेगी। अगर इसमें कुछ कठिनाई आती है तो उसे तत्काल प्रभाव से निराकृत करेगी। साथ ही गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की दृष्टि से उचित विधि से डाटा मेंटेनेंस सुनिश्चित करेगी। अभियान में आवश्यक हर तकनीकी चीज उचित ढंग से सम्पन्न हो, इस हेतु समिति हर संभव कदम उठाकर तकनीकी दृष्टि से अभियान में कोई बाधा ना आए सुनिश्चित करेगी।

प्रसिद्धि समिति:

यह समिति अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु आयुष मंत्रालय के मीडिया सेल के साथ समन्वय स्थापित कर भारत सरकार के प्रचार-प्रसार विभाग के साथ मिलकर देशभर में इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी। प्रेस-विज्ञप्ति, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, सोशल मीडिया ऐसे सभी प्रचार माध्यमों को ध्यान में रखते हुए इस अभियान की सर्वांगीण और व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सुनिश्चित करने का कार्य यह समिति करेगी।

समन्वयक:

अभियान सुचारु रुप से चलने के लिए विभिन्न स्तरों पर समन्वयक नियुक्त किए जाएंगे, जिसमें राज्य समन्वयक, विभाग समन्वयक, जिला समन्वयक यह तीनों स्तर के समन्वयक महाविद्यालय और चिकित्सकों के लिए स्वतंत्र रूप से नियुक्त किए जाएंगे। इसके साथ ही हर आयुर्वेद महाविद्यालय में प्राचार्य के अलावा एक समन्वयक महाविद्यालय के सभी घटकों के अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु नियुक्त किया जायेगा।

बैठकें तथा प्रवास:

अभियान को सफल बनाने हेतु विभिन्न घटकों को सक्रिय करने के लिए आवश्यकता अनुसार विभिन्न बैठकों का आयोजन किया जायेगा। सभी राज्यों के अभियान से संबंधित लोगों की सक्रियता बढ़ाने हेतु आवश्यकतानुसार प्रवासों की योजना भी की जायेगी। इन

बैठकों में विशेष रूप से सभी राज्यों के आयुष निदेशक, आयुर्वेद शिक्षा देने वाले विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू तथा अधिकारी, राज्य पंजीयन परिषदों के रजिस्ट्रार, महाविद्यालयों के प्रबन्धन पदाधिकारी, प्राचार्य तथा अभियान के लिए नियुक्त समन्वयक, अध्यापक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी, आयुर्वेद विनिर्माण उद्यमी, आयर्वेद क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी इन्हें आवश्यकतानुसार आमंत्रित किया जायेगा और इस अभियान हेतु किये गये प्रवासों मे इनसे सम्पर्क स्थापित कर समय-समय पर बैठकों का आयोजन भी किया जायेगा।

"इति"

Working Flow Chart for all the 5 Guinness World records of Ayush

We are doing all the 5 GWRs in this single National Health campaign named 'Desh Ka Prakruti Parikshan' which will be launched by the Prime Minister of India.

*** The 5 GWRs are as follow,**

1) Most pledges received for a health campaign
2) Most pledges received for a health campaign in one week
3) Most pledges received for a health campaign in one month
4) Largest online video album of people saying the same sentence
5) Largest online photo album of people displaying a digital certificate

*** 3 important aspects and 2 important parts of the Data Collection Process for all the 5 GWRs,**

3 Important Aspects

1) The Mobile App,

The Mobile App will be used by both the individual user and also by the Prakruti Volunteer for different purposes.
The mobile App, getting configured with everyone's personal unique mobile number and by OTP verification, will make it absolutely secured that only unique Data is collected for all the 5 GWRs from Individual Users with 4 Level secured confirmation as described in detail below.

2) The Individual User,

The individual User (Citizen) is an end user, termed as User henceforth, who will be submitting his/her Unique Individual Data for all the 5GWRs after getting registered by 4 Levels of secured confirmation.

After all these 5 records are done, the App will be used to regularly interact with these individual users across the nation for distributing useful tips for staying fit and healthy generally.

3) The Prakruti Volunteer,

Every Prakruti Volunteer is associated with the field of Ayurveda (Ayurvedic College teachers, Ayurvedic College Students, Ayurveda Doctors and Ayurvedic Manufactures etc..) and will determine and diagnose the physical state (body constitution i.e. Prakruti) of the individual user by asking various questions with the help of this mobile App.

The Prakruti Volunteer will be also downloading the same mobile App on his/her mobile with similar OTP Verification process completed but with a different secured login of Prakruti Volunteer registrations done by different Ayurvedic educational institutions throughout the country.

The Prakruti Volunteer will be not only diagnosing the body constitution of the individual user with the helpof the App but also he/she will be uploading the user's video and the photo with the digital certificate once the User submits the Pledge through his/her own OTP verified mobile number.

2 Separate important parts

Part 1 - Pledge Upload,
The Pledge upload by the user with the OTP verified mobile number Unique generated ID of the User.

This secures the Guinness Guidelines which mentions,
If the attempt is made online, the applicant must demonstrate they have put measures in place to determine the website/webpage used for the attempt is secure and that pledges can only be made by humans and not bots etc.

Part 1 - Video and photo upload,
The video and photo uploaded by volunteer's mobile but attached with the unique id of the user which gets generated with the help of system and which gets stored dynamically in the QR code which the volunteer has scanned through the mobile of the user for undertaking the whole process of shooting the video and clicking the photo of the user while displaying the digital certificate and uploading the Video and the photo of the User attached with the Unique ID of the user into the Database.

1) While matching and also syncing with the guidelines of the Guinness, the Pledge gets uploaded to the website by the tag of the Unique ID which gets created with the unique mobile number of the user which is additionally OTP verified and is absolutely UNIQE.

2) The Unique QR code gets generated associated with the Unique ID of the OTP generated mobile number of the User and when scanned gets a Unique stamp of the User to facilitate the video and the photo of the User with the unique and specific identification mark of the user while getting stored in the database.

The role of the QR code is to create a Unique ID of the user which gets attached to the User permanently and gets allocated to every data of the user may it be the video or photo.

This helps the pledge, video and even the photo of the specific user getting stored in the database with the unique ID tag of the user in specific and gets a UNIQUE identification nature all by itself.

Thus, the entire system makes it absolutely sure that,
A. Only one individual will upload his/her one Pledge strictly once with the OTP verified mobile number of the UNIQUE ID of the USER,
B. One individual Unique video will get uploaded of his/her, the User saying the same sentence absolutely once with the UNIQUE ID of the USER,
C. One individual Unique photo will get uploaded, of his/her, the User, absolutely once with the UNIQUE ID of the USER.

This entire Technological effort allows us to FOLLOW CORRECTLY ALL THE GUINNESS GUIDELINES while maintaining the Uniqueness of the entire Data of the User, may it be the pledge, the video or the photo that is getting uploaded in the Database strictly with the Unique ID of the USER.

This classifies our effort to one more time, to put in place all the measures to make the data collection points absolutely safe and secure to make it foolproof that **all the data is submitted**

strictly by humans and not by bots etc as per the Guinness Guidelines.

This will be **additionally confirmed by the Digital Forensic Auditor and the Two Forensics Expert witnesses** for individual records through their screening of the Data while making their expert final reports.

Following will be the process of application to collect the entire Data of Pledges, Videos and the Photos for the 5 GWRs,

1. The User will download the mobile app from the play store or form the App Store,

2. Later he will enter his Mobile number which is absolutely unique in India in the App,

This is the **first level secured confirmation** that all the pledges, videos and the photos are getting submitted by this single number itself and thus are strictly a unique submission ,

3. Later the online system will send an OTP to his/her mobile for verification,

This is the **2nd level secured confirmation** that all the pledges, videos and the photos are getting submitted by this single number itself and thus are strictly a unique submission ,

4. Later he/she will fill the received OTP in the app to verify his/her mobile number,

This is the **3rd level secured confirmation** that all the pledges, videos and the photos are getting submitted by this single number itself and thus are strictly a unique submission.
Additionally this most IMPORTANT step is absolutely effective to make it sure that all the Data for all the 5 GWRs is submitted by individual humans and not by any AI or by any computers or likewise systems ,

5. Once the Verification process is complete, he /she will enter other personal details like Name, State and District of the user and will click the button “Submit”,

Here at this unique ID of the User will be created on the Master database which will store the future recorded video and future clicked photo and the already accepted Pledge of the user for further evidencing, Henceforth,all the individual Unique Data for all the 5 GWRs of this specific user will go in the Master Database,

6. After filling up all the personal details, a page will open wherein he/she will click “I accept” and will give his/her consent for usage of his/her information,

7. After this, a Page of Pledge will open , wherein he/she will , after reading the pledge on the page, will click ‘’I accept” button to submit.
And the Pledge will get submitted to the Master database, marked with user’s unique ID of the connected user,

Here, while getting submitted, every individual Pledge will get a ‘Date & Time Stamp’ to differentiate between Pledges submitted for ‘One Week Pledge’ record, ‘One Month Pledge’ record and ‘General Pledge’ Record,

This is the **4th level of secured confirmation** that all the pledges, videos and the photos are getting submitted by this single unique number itself and thus are strictly a unique human submission.

Here we are completely securing the collection of Data for fulfilling the GWR guidelines on one hand of Unique entries and on another hand as in by humans strictly by using unique filters' of
(1) individual name,
(2)individual mobile number,
(3) personal OTP verification,
(4) State &
(5)District name as well,

8. After the submission of the Pledge to the Master Database, a Unique QR code will get generated on the user's mobile app for further process of Prakruti Parikshan and for collecting the video and the photo of the user for remaining 2 GWRs ,

9. The Unique QR code will be now scanned by the registered Prakruti Volunteer who will then assess the Prakruti (the physical state of the individual user) of the user henceforth.

10. After the Prakruti Volunteer scans the QR code on the User's App, a time being mirror app will get initiated on the Prakruti Volunteer's mobile, for allowing him to use the User's interface for assisting him to do the user's Prakruti Parikshan and also to shoot his video and click his photo and to upload it to the Master database of the User.

11. Now the Prakruti Volunteer will ask various questions to the User, mentioned on the screen of the App and after correctly diagnosing the User's Prakruti, will fill the necessary related information through his mobile App,

12. After completing all these question-answers and related diagnosing of the Prakruti of the User (the physical state of the individual user), the Volunteer will click the button 'Prakruti Assessment Finished',

13. Now a page will initiate on the App to record the Video of the User while saying the Same Sentence.

The Prakruti Volunteer will record the video of the User through App in his mobile and will click the button 'Submit the video' to upload the video of the user to the specific database of the User created earlier, as mentioned above,

14. After the video gets submitted attached with the Unique ID of the user, a Digital Co-Branded Prakruti Certificate will be sent to the User's App, which the user now will display to the Prakruti Volunteer.

The Prakruti Volunteer will click the photo of the User while the User is displaying the digital certificate.
This photo will be clicked through the App based 'Click the Photo' facility.
When the Prakruti Volunteer clicks the photo of the User, the photo gets a Unique ID of the User while getting stored into the Database.

Here after the Prakruti Volunteer will click the button 'Submit the photo' so that the entire data of the user , that is the Unique ID stamped Video and Unique ID stamped Photo of the user will be uploaded through the mobile App of the Prakruti Volunteer to the Database while maintaining the Unique ID of the User.

15. While evidencing, the technological team will run through the entire collected Data that is all the videos and the photos of all 5 GWRs through the Duplicate Finder Software System and will clear out any remotest remaining possibility of any duplicate entries getting collected or even stored.

All the filters of Data Collection shall be strictly monitored here & examined thoroughly by the Digital Forensic Auditor and the Two Forensics Expert witnesses for individual records.

16. Finally with all the Unique Videos and the Photos of the Users, the respective websites following the Guinness guidelines will be created after the campaign is complete and will be sent to Guinness along with all the evidences as per the Guinness guidelines for the record confirmations.